



लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कोहली को टी-20
विश्वकप में पारी का
आगाज करना चाहिए
स्पोट्स-12



सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल को मिली मोहल्लत

शीर्ष अदालत ने दी अंतिम जमानत, कर सकेंगे चुनाव प्रचार, दो जून को दिल्ली के सीएम को जेल अफसरों के समक्ष करना होगा समर्पण

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार शाम को सुप्रीम कोर्ट द्वारा उहें 1 जून तक अंतिम जमानत दिए जाने के कुछ घंटों बाद तिरहुड़ जेल से बाहर आ गए, ताकि वह लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार कर सके। गेट नंबर 4 से बाहर निकलते ही केजरीवाल का आप कार्यकर्ताओं की भीड़ के साथ-साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान, आतिश और सोरेख भारद्वाज जैसे वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया। उनके साथ उनकी पारी सुनिता केजरीवाल, उनकी बेटी हर्षिता और आप के राज्यसभा संसद संघीय पाठक भी थे।

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवाल को उहें चुनावी मौसम के चरम पर मनी लॉन्डिंग मामले में अंतिम जमानत दे दी, लेकिन उन्हें अपने कार्यालय या कार्यालय में जाने से रोक दिया। दिल्ली संचालनालय और आधिकारिक दिल्ली लोकसभा चुनाव करना, जब तक कि उपर्याप्तता की तरफ पर ताक रखे रास्ता नहीं था।

केजरीवाल को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रचार करने में सक्षम बनाने के लिए अंतिम जमानत दी गई है। उहें 2 जून तक जेल



नई दिल्ली में शुक्रवाल को सुप्रीम कोर्ट से अंतिम जमानत निलंगने के बाद तिरहुड़ जेल के बाहर समर्थकों को संबोधित करते दिल्ली के पायनियर फोटो

अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया है। 1 जून सात चरण के चुनाव का आखिरी दिन है। बोटों की गिनती 4 जून को होगी।



केजरीवाल की जेल से रिहाई, भले ही क्षणिक हो, से दिल्ली में आप के लोकसभा अधिभाव को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जहां 25 मई को मतदान होना है, जिसमें

उसके सबसे प्रमुख नेता चुनावी मैदान में उतरेंगे।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपक दत्ता की पोंट ने अपने आठ घंटों के आदेश में कहा, कहा कि केजरीवाल को 2 जून को आत्मसमर्पण

किया और एक टूट-दूसरे को मिट्टियां दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतिम जमानत देने के सुप्रीम कोर्ट (शेष पेज 9)

बृजभूषण पर तय होंगे आरोप

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

शहर की एक अदालत ने शुक्रवाल को भाजपा सांसद और भारतीय कुर्ता प्रधानमंत्री (डब्ल्यूपीओआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ छह महिला बहलवानों द्वारा दर्ज कराए गए योन उत्पीड़न के मामले में आरोप तय करने का आदेश दिया।

इस लोकसभा चुनाव में बज भूषण को उनकी गृह सीट केसरांग से टिकट नहीं दिया गया था, हालांकि वह अपने बेटे करण भूषण सिंह के लिए टिकट पाने में सफल रहे और अब उसी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

फिरपांडी दल कथित मामलों के लिए वरिष्ठ भूषण के खिलाफ तरित कार्यालय की मांग कर रहे थे अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका राजनूत ने सिंह के खिलाफ आपराधिक धमकी के लिए आरोप तय करने का आदेश दिया और 21 मई को औपचारिक रूप से आरोप तय किए जाएंगे। अदालत ने मामले में सह-अभियुक्त और आठ महिला रेसलर द्वारा दर्ज करने का आदेश दिया।

इस लोकसभा चुनाव में बज भूषण को उनकी गृह सीट केसरांग से टिकट नहीं दिया गया था, हालांकि वह अपने बेटे करण भूषण सिंह के लिए टिकट पाने में सफल रहे और अब उसी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

फिर दोषदर 1 बजे पार्टी कार्यालय लड़ रहा है, अब हमारे से सुनने वाले सुप्रीम कोर्ट के जेलों को भी ध्यान दिया। उहेंने कहा, कल सुबह 11 बजे हम सभी कनैट फ्लोर्स के हनुमान मंदिर द्वारा दर्शन करने का अनुरोध कर रहा है। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार एक बार आदेश दिया। उन्होंने कहा कि जेल परिसर के बाहर एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट से टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरीवाल अपने काफिले में टिकट के जेलों को भी ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि जेलों को भी ध्यान दिया। उनके स्वागत के लिए उनके आदेश एक बार हुए थे।

केजरी

